## EK BHARATH SHRESTH BHARATH

**Title: Poetry Contest** 

Date: 30/06/2020



A poetry contest was conducted for the students of Maharishi Markandeshwar University, Mullana, the pairing state. The students were informed to submit the poetry on 'Ek Bharat Shreshtha Bharat'. Some students sent their poems in hindi language while some opted for english. It was felt that Poetry gave students a healthy outlet for surging emotions.

## रिका भारत भेक भारत

प्रम प्रमेश का स्माना भारत विश्व ग्रस ही अपना भारत हम सब इतने उलड़ी क्यूं हैं। हम सब इतने उलड़ी क्यूं हैं। हम सब इतने उलड़ी क्यूं हैं। समये मीस उन्हें खनारी कैरम से भीस उन्हें खनारी किरम से भीस उन्हें खनारी किरम से भीषा उन्हें खनारी किरम से भीषा सम्बद्धि मारी में।

उन्हणायल का स्टूज जन शक किर्देश के सिंद्ध में व्यास श्रुक्तरू जीख जीख सागर की नहरे. हम सब से बस यह जीहरारू क्रीक से मैंक मीहन तक जाहे ही कीई भी सरहद हिन्दी से तारों की हद तक विस्मैं क तिरंगा नहराँ। ज तुसकी अब इम्लबा भारत व तुसकी अब इम्लबा भारत

## MARVELOUS INDIA

A perfect blend of dignity, ethnity of culture Nagaland in east is famous for spectacular nature A country whose beauty lies in its diversity and splendid biodiversity

Motherland that has Kashnier - "Heaven on Earth" whose lakes & greenery make people feel a kind of mirth Manipur is known for its natural regetation Himachal Pradesh is known as summer destination

Sikkim is famous for Buddhist monasteries forests of Madhya Pradesh & chattisgarh are full of beries Mizoram is known for its ancient tribes where people pick up on some positive ribes

U.P. of Bihar have their own historical values Goa is famous for its wedding venues Beside the manifold diversity, language of religion One can distinguish life from Gujarat to Kibithus from Himalayas to Cape Comorin

But then also people share customs and traditions in sinilarity That's very India has versatility in its culture with unity

Bsc. Dictetics & Nutrition IV

MMDU Mullana (HR)

## व्योधिक - जीवन

जीवन हैं, जनमील रत्न, करों न दुम इसे खत्म।

जीवन की ये नेक्या, बर्ती जाए अंधा, म रुकना है, म अकना है, स्तर चमना है, स्तर चलना है, जीवन है अनमोस रहम, करों न दुम इसे खरम।

हों, मिले हैं कुढ़ दुखः, तो जरूर मिलेंगें सुख, विल्कुल न धवराक्षी तुम, बिल्कुल न पद्दराओं तुम, जीवन हैं अनमीस रतन, करो न तुम इसे म्वरम

सफलताएँ तुम्हें चुनोती देगी, अश्चन्तवाएँ तुम्हें तजूरका देगी, ए मानव तुम तिनक भी न चक्राना, में रास्ता तुम्हें खुदा ए मंजिलें देशी। जीवन हें अनमोल रत्न, करों न दुम इसे खत्म।

MAME-GOLU KUMAR

B. SCHHA)II

MMICTEBM(HM)

MMDU, MULLAHA,

AMBALA, HARYAHA,

(133207)